प्रबंधन के क्षेत्र में कॅरियर का प्रबंधन

कैट में मॉक टेस्ट का अभ्यास जरूरी, रणनीति के साथ करें अध्ययन

भास्कर एक्सपर्ट

डॉ. अंकित शर्मा, फैकल्टी, चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना

स्वप्ना संचिता, एक्सपर्ट, टाइम इंस्टीट्यूट, रांची

देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) में प्रवेश अखिल भारतीय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (कैट) के माध्यम से होते हैं। इस बार 147 शहरों में 25 नवंबर यह परीक्षा होगी। इसके लिए फॉर्म 8 अगस्त से भरने शुरू होंगे। अंतिम तिथि 19 सितंबर है। इसके रिजल्ट जनवरी 2019 के दूसरे सप्ताह में आने की संभावना है। इस परीक्षा के आधार पर देश में 20 आईआईएम और कई अन्य बी स्कूल्स में भी प्रवेश मिल सकते हैं।

किसी भी देश या समाज का राजनीतिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, सामाजिक व सांस्कृतिक विकास समुचित तकनीक व प्रभावी प्रबंधन पर आधारित होता है किंतु अब प्रबंधन शब्द को मोटे रूप में व्यावसायिक व औद्योगिक प्रबंधन के रूप में लिया जाने लगा है औद्योगिक क्षेत्र में प्रबंधन का वैज्ञानिक रूप से पदार्पण इस सदी के प्रारंभ में हुआ था जब पाश्चात्य जगत में पूंजीवाद ने पैर पसारने शुरू किए।

प्रबंधन में न केवल नेतृत्व कौशल की आवश्यकता होती है वरन निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सहयोगियों को प्रेरित करने की क्षमता भी जरूरी है। प्रबंधकों को उद्योग के पक्ष में अनेक प्रकार के निर्णय भी लेने पड़ते हैं। उनकी जरा सी चूक से न केवल संपूर्ण उद्योग को भारी क्षति हो सकती है वरन कर्मचारियों में असंतोष तथा आंदोलन भी भड़क सकता है। यही कारण है कि प्रबंधन का बाकायदा प्रशिक्षण देने के लिए विश्व भर में बिजनेस स्कूल या प्रबंधन संस्थान प्रारंभ किए गए। इस समय विश्व भर में प्रबंधन शिक्षा की गुणवत्ता तथा पाठ्यक्रम के औचित्य पर प्रश्न चिन्ह लगाए जा रहे हैं। यहां तक कि हार्वर्ड बिजनेस स्कूल को भी अपने पाठ्यक्रम में संशोधन पर विचार करना पड़ा।

हमारे देश में स्नातकोत्तर स्तर पर प्रबंधन के मुख्य रूप से दो प्रकार के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं एक जिसे एमबीए या मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के नाम से जाना जाता है और दूसरा पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट कहलाता है। दोनों ही स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम हैं। भारतीय प्रबंधन संस्थानों के अलावा ग्रामीण प्रबंधन संस्थान आणंद, इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड फाइनेशियल एनालिस्ट ऑफ इंडिया हैदराबाद, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ बैंक मैनेजमेंट पुणे आदि जैसे संस्थान भी हैं जो प्रबंधन के कुछ विशेष क्षेत्रों में पाठ्यक्रम उपलब्ध करवाते हैं।

प्रबंधन में न केवल नेतृत्व कौशल की आवश्यकता होती है वरन निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सहयोगियों को प्रेरित करने की क्षमता भी जरूरी है। प्रबंधकों को उद्योग के पक्ष में अनेक प्रकार के निर्णय भी लेने पड़ते हैं। उनकी जरा सी चूक से न केवल संपूर्ण उद्योग को भारी क्षति हो सकती है वरन कर्मचारियों में असंतोष तथा आंदोलन भी भड़क सकता है। यही कारण है कि प्रबंधन का बाकायदा प्रशिक्षण देने के लिए विश्व भर में बिजनेस स्कूल या प्रबंधन संस्थान प्रारंभ किए गए।

प्रबंधन शिक्षा की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप बनाए रखने के लिए तथा उसे मान्यता प्रदान करने का उत्तरदायित्व अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद का है जो एक सांविधानिक निकाय है। देश के सभी विश्वविद्यालयों, सरकारी- गैर सरकारी, निजी व्यवसाय प्रबंधन संस्थानों के स्नातकोत्तर डिप्लोमा, एमबीए या अन्य पाठ्यक्रमों के लिए इस परिषद की मान्यता आवश्यक है। अनेक संस्थान अपने पाठ्यक्रम के साथ 'एमबीए के समकक्ष मान्य' लिख देते हैं किंतु असल में केवल गिने-चुने संस्थानों के पाठ्यक्रम ही एमबीए या स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के समकक्ष मान्यता प्राप्त हैं।

देश के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों में प्रवेश के लिए कैट परीक्षा होती है और अन्य प्रतिष्ठित निजी बी-स्कूलों में प्रवेश के लिए मैनेजमेंट एप्टीटयूड टैस्ट (मैट) होती है। मैट के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 24 अगस्त है। कैट में सफल होने के लिए मॉक टेस्ट का अभ्यास तथा रणनीति के साथ अध्ययन जरूरी है।

> शेष पेज 2 पर

Dainik Bhaskar ! Page.No-19 ! Dated:07-08-2018

मेडिकल व इंजीनियरिंग के बाद मैनेजमेंट ही ऐसा करियर है जिसमें सबसे ज्यादा छात्र जाना चाहते हैं। कॉमन एडमिशन टेस्ट(कैट) मैनेजमेंट संस्थानों में प्रवेश के लिए ली जानेवाली परीक्षा है। इस परीक्षा के लिए देशभर से हर साल करीब 3 लाख छात्र-छात्राएं आवेदन करते हैं। बिहार झारखंड के भी हजारों छात्र इस परीक्षा में बैठते हैं। ऐसे में जरूरी है कि परीक्षा से पहले उसके पैटर्न की पूरी जानकारी हो। खासकर बिहार के छात्रों के लिए यह जरूरी है कि वे इस परीक्षा की तैयारी पहले से ही शुरू करें।

मॉक टेस्ट का अभ्यास जरूरीःकैट की परीक्षा ऑनलाइन ली जाती है। इसमें टाइमिंग का ख्यास ख्याल रहता है। बिहार के छात्र इसमें पिछड़ते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप मॉक टेस्ट का अभ्यास करें। कई सारे कोचिंग संस्थान मॉक टेस्ट आयोजित कराते हैं, इसके अलावा ऑनलाइन भी मॉक टेस्ट में हिस्सा ले सकते हैं। इससे आपको पता चलेगा कि कौन सा सेक्शन आपका अच्छा है और कौन सा खराब है।

इस परीक्षा के लिए एक और जरूरी बात है कि आप अपनी रणनीति खुद से बनाएं। हर छात्र को अलग-अलग तरीके से तैयारी करनी चाहिए। इस साल कैट 25 नवंबर को होनी है, इसलिए मेरी सलाह है कि डेढ़ महीने बेसिक्स की तैयारी करें। 4-6 हफ्ते कैट के पेपर की प्रैक्टिस करें। नवंबर में आप मॉक टेस्ट का हिस्सा बन कर तैयारी को परख सकते हैं।

आनेवाला भविष्य डेटा एनालिसिस काः मैनेजमेंट के क्षेत्र मे आज से दस साल पहले जो स्थिति थी वह अभी काफी बदल गई है। तब लोग काम करते थे, आज मशीनें काम कर रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एनालिटिक्स का दौर अभी है। तो ऐसे लोग जो मशीनें बनाना जान रहे हैं उनकी नौकरी पक्की है। जैसे कि अगर आप कंप्यूटर इंजीनियर हैं और उसमें एमबीए कर रहे हैं तो आपको काफी आसानी से जॉब मिल जाएगी। लेकिन साधारण स्नातक के बाद एमबीए करनेवालों को थोड़ी मुश्किल होगी। इसलिए मेरी सलाह है कि अगर आपके पास टेक्नीकल नॉलेज है तो उसी आधार पर आप एमबीए करें। मैथ्स मजबूत है तो फाइनेंस, डेटा एनालिटिक्स का चयन करें। आनेवाला वक्त एमबीए इन डेटा एनालिटिक्स का है। बड़ी बड़ी कंपनियों में इसकी काफी डिमांड है। इसके अलावा आप एचआर, मार्केटिंग में एमबीए तो कर ही सकते हैं। जॉब इस क्षेत्र में भी काफी है। यह बिल्कुल जान लें कि सिर्फ डिग्री ले लेने से आपको जॉब नहीं मिलनेवाली। डिग्री के साथ-साथ स्किल्स, नॉलेज का होना भी जरूरी है।

बिहार झारखंड में भी हैं कई संस्थानः बिहार झारखंड में मैनेजमेंट की पढ़ाई के लिए कई संस्थान हैं। आईआईएम बोधगया है, रांचं, सीआईएमपी , एलएन मिश्रा इंस्टिट्यूट. एक्सएलआरआई जमशेदपुर है। टॉप स्कोर करनेवाले छात्र हैं वे बिहार के बाहर पढ़ना पसंद करते हैं। दूसरे राज्यों में मैनेजमेंट की पढ़ाई को ज्यादा तवज्जो दी जाती है।

आईआईएम के लिए 98-99 परसेंटाइल रखें दिमाग में: देश के जो पुराने आईआईएम हैं उनमें नामांकन के लिए आप यह मानकर चलें कि 98-99 परसेंटाइल लाने ही होंगे। सकेंड लाइन के आईआईएम के लिए आपको 85-90 परसेंटाइल चाहिए। इसके अलावा भी अगर आपको कम परसेंटाइल मिलता है तो चिंता करने की जरूरत नहीं है आप कई सारे बिजनेस स्कूलों में नामांकन ले सकते हैं। कैट परीक्षा की मेधासूची तैयार करने में कई चीजें देखी जाती हैं। इसमें दसवीं, 12वीं का अंक, स्नातक का अंक, जॉब एक्सपीरिएंस, ग्रुप डिस्कशन, पर्सनल इंटरव्यू, रिट्न एबिलिटी टेस्ट इन सबको देखने के बाद होता है।

Dainik Bhaskar ! Page.No-20 ! Dated:07-08-2018